संदेश

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयंती का दिन हम सबके लिए सत्य, अहिंसा, सौहार्द, नैतिकता और सादगी के आदर्शों के प्रति स्वयं को समर्पित करने का सुअवसर है। सत्य, अहिंसा और सर्वोदय के आदर्श, मानवता के लिए महात्मा गांधी के बहुमूल्य संदेशों के आधार-स्तम्भ माने जाते हैं।

गांधीजी विश्व भर में वंदनीय विभूति के रूप में सम्मानित हैं। संयुक्त राष्ट्र द्वारा गांधी जयंती को 'अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस' के रूप में मान्यता दी गई है। गांधीजी के जीवन-मूल्य और आचरण पद्धतियां केवल भारत ही नहीं बल्कि पूरी मानवता के लिए आज भी प्रासंगिक हैं।

गांधीजी की दूरदृष्टि और कर्मठता के दायरे में व्यक्तिगत और सामूहिक जीवन का प्रत्येक पक्ष समाहित है। उन्होंने हम सबको सामुदायिक एकता, अस्पृश्यता निवारण, महिलाओं के उत्थान, शिक्षा, स्वच्छता, पर्यावरण एवं जल संरक्षण का मार्ग दिखाया।

'स्वच्छ भारत मिशन' को जन-आंदोलन का रूप देकर देशवासियों ने राष्ट्रपिता के प्रति सम्मान व्यक्त किया है। समावेशी विकास, सार्वजनिक जीवन में पारदर्शिता और ईमानदारी, गरीब भाई-बहनों के लिए स्वास्थ्य सेवा, किसानों की सहायता तथा जल संसाधन के प्रभावी उपयोग को राष्ट्रीय प्राथमिकता देना गांधीजी के विचारों के अनुरूप है।

आइए, हम सब महात्मा गांधी की विरासत को मजबूत बनाने का संकल्प लें।

****